



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18]

नई दिल्ली, रविवार, जनवरी 25, 2004/माघ 5, 1925

No. 18]

NEW DELHI, SUNDAY, JANUARY 25, 2004/MAGHA 5, 1925

राष्ट्रपति सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2004

संख्या 17-प्रेज/2004.—राष्ट्रपति निम्न कार्मिक को अत्यंत असाधारण वीरता के लिए अशोक चक्र प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :—

आईसी-61417 लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह

5 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

2 जनवरी, 2004 को 1850 बजे दो सशस्त्र आतंकवादी जम्मू रेलवे स्टेशन में घुस आए तथा उन्होंने यात्रियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए तीन व्यक्तियों को मार डाला तथा 15 व्यक्तियों को घायल कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह अपनी त्वरित कार्रवाई टुकड़ी के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

1925 बजे लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह के नेतृत्व में इस टुकड़ी ने पुलिस दल के साथ रेलवे स्टेशन की तलाशी शुरू की। तलाशी शुरू होते ही कुछ देर के लिए गोलीबारी थम गई जिस कारण आतंकवादियों का कुछ पता नहीं लग पा रहा था। 2020 बजे लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह जब अपने दल की ओर लौट रहे थे उसी समय पैदल पुल की सीढ़ियों के नीचे छुपे एक आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर दी जिससे एक पुलिस कर्मी घायल हो गया। इस पर लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह दौड़ते हुए आतंकवादी के नजदीक पहुंचे तथा उसे तुरंत मार डाला जोकि स्टेशन के बाहरी गेट की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच, पास ही में छुपे हुए दूसरे आतंकवादी ने गोली चलाते हुए लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह पर हथगोला फेंका। गोलीबारी के आदान-प्रदान के दौरान एक गोली लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह के ऊपर वाले होट पर आ लगी तथा वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह आतंकवादी पर टूट पड़े और उसे दबोच लिया तथा उसे मार डाला। दुर्लभ वीरता और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह ने अकेले ही दोनों आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया, जिससे जम्मू-रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए अनेक यात्रियों की जान बच सकी। बाद में, लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

इस प्रकार, लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह ने बहुत से लोगों के जीवन की रक्षा करते हुए भारतीय सेना की सर्वोच्च परम्पराओं के अनुकूल अनुकरणीय वीरता तथा अदम्य साहस का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

वरुण मित्रा, निदेशक

PRESIDENT'S SECRETARIAT**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th January, 2004

No. 17-Pres/2004.— The President is pleased to approve the award of the “Ashoka Chakra” for most conspicuous bravery to :—

IC-61417 Lieutenant Triveni Singh
5 Jammu and Kashmir Light Infantry (Posthumous)

On 2 January, 2004 at 1850 hours, two heavily armed terrorists entered Jammu Railway Station and fired indiscriminately on the passengers, killing three and injuring 15. On receipt of information, Lieutenant Triveni Singh rushed to the incident site alongwith a Quick Reaction Team.

At 1925 hours, team led by Lieutenant Triveni Singh commenced search of the railway station alongwith police party. Consequent to search, there was a lull in firing and the terrorists were untraceable. While the officer was returning to his party, at 2020 hours, one terrorist, hiding under the staircase of the over-bridge, opened fire and injured a policeman. Lieutenant Triveni Singh immediately rushed and closed in with the terrorist, who was attempting to move towards the out gate of the station and killed him instantly. Second terrorist who was hiding closeby started firing and lobbed a grenade at Lieutenant Triveni Singh. In exchange of fire, one bullet hit Lieutenant Triveni Singh on his upper lip and fatally wounded him. Despite being injured Lieutenant Triveni Singh charged, grappled with terrorist and killed him at close quarters. In this act of exemplary display of bravery and courage of exceptional order Lieutenant Triveni Singh killed both the terrorists single-handedly thereby saving the lives of many passengers stranded at the Jammu Railway Station. Later Lieutenant Triveni Singh succumbed to injuries.

Lieutenant Triveni Singh, thus, displayed most conspicuous bravery, raw courage and made the supreme sacrifice in the highest traditions of Indian Army for the safety of numerous lives.

BARUN MITRA, Director